चीन की जगह भारत में निवेश के लिए अमेरिका में आएगा बिल

सीनेट में बहुमत दल के नेता शूमर ने संसदीय समितियों को मसौदा तैयार करने को कहा

- अमेरिका में नए रोजगार खड़े करें और नाटो देश जैसे रणनीतिक साझेदारों और भारत में निवेश करें
- सीनेट में कॉकस की बैठक में दिग्गज डेमोक्रेटिक सीनेटर ने कहा, इसी वसंत में मतदान का लक्ष्य
- बीजिंग की शिकारी नीतियों पर अंकुश लगाकर अमेरिका में निवेश से नौकरियां बढ़ाने पर जोर

वाशिंगटन। अमेरिकी उच्च सदन सीनेट में विदेशी कारोबार की सूची से चीन को बाहर करने के लिए एक विधायी पैकेज का मसौदा तैयार करने की मांग उठी है। सीनेट के बहुसंख्यक नेता चक शूमर ने अपने डेमोक्रेटिक सहयोगियों से यहां तक कहा है कि अमेरिका में नए रोजगार खड़े करें और अपने

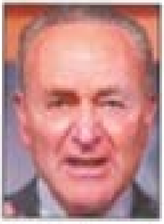

रणनीतिक साझेदारों तथा भारत जैसे गठबंधन देशों में निवेश करें। इनमें नाटो देश भी शामिल हो सकते हैं।

सीनेट में एक बड़े कॉकस के जुटने पर शूमर ने सीनेट समितियों को अमेरिकी नौकरियों की रक्षा के लिए नए कानून का मसौदा तैयार करने और चीन को मात देने पर जोर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनका इरादा इसी वसंत में सीनेट में मतदान के जरिये ऐसा कानून बनाने का है। उन्होंने कहा, मैंने संबंधित समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों से कहा है कि वे चीन को घेरें और भारत जैसे देशों में निवेश बढ़ाएं ताकि चीन की शिकारी नीतियों पर अंकुश लगे और देश में रोजगार के अवसर बढ़ें। शूमर ने कहा, इससे अमेरिकी नवाचार, विनिर्माण में निवेश बढ़ेगा और चीन को टक्कर दी जा सकेगी। इस कानून के केंद्र में द्विदलीय व द्विसदनीय विधेयक एंडलेस फ्रंटियर्स एक्ट होगा जिसे शूमर ने पिछले साल सीनेटर टॉड यंग, माइक गैलाघर और भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना के साथ सदन में रखा था। एजेंसी

चीन को पछाड़ने की रणनीति

डेमोक्रेट नेता शूमर ने कहा कि भारत और नाटो से मिले बढ़ने और निवेश करने से अमेरिका न सिर्फ चीन में स्थापित उद्योगों को काट सकेगा बल्कि विदेशों में अमेरिकी निवेश भी मजबूत करके चीन को पछाड़ सकेंगे। चीन में विदेशी स्रोतों का आधार रोकने के लिए हम अमेरिकी सेमीकंडक्टर उद्योग की मजबूती के लिए गंभीर निवेश करेंगे।

हिंद-प्रशांत पर बांग्लादेश से की ब्लिंकन ने वार्ता : अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमन से दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चुनौतियों का मिलकर सामना करने पर सहमति जताई। ब्लिंकन ने कहा, चीन का प्रभाव हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है और इसे कम करने के लिए बांग्लादेश एक अहम कड़ी हो सकता है।

अधिक जा